नईदुनिया

अमेरिका से तनाव के बीच ईरान बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान इस साल फरवरी से अमेरिका के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी जंग के मध्य बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में है। इस संबंध में ईरान ने कहा कि ओमान के साथ बातचीत में ऐसी उम्मीद है। इससे इतर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने जलमार्ग खोलने के लिए पूर्व की शर्त दोहराई है। अमेरिका ने कहा कि हर हाल में ईरान पर दबाव जारी रखेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने उम्मीद जताई है कि ओमान के साथ बातचीत से होर्मुज जलडमरूमध्य में परिणाम निकलेंगे।

उन्होंने बातचीत के दौरान न युद्ध और न ही शांति की स्थिति से आगे बढ़ने का आह्वान किया आईआरजीसी ने कहा कि जलमार्ग खुल सकता है, बशर्ते अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त हो युद्ध के नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने खुला आरोप लगाया है कि ईरान संबंधों में सुधार करने के लिए तैयार नहीं है। वाशिंगटन उस पर दबाव बनाना जारी रखेगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने पत्रकारों से कहा कि ओमान से बातचीत में होर्मुज में अस्थायी रास्ता बनाने पर सहमति लगभग तय हो गई है।

मगर जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से पहले उसकी शर्तें पूरी होनी चाहिए। युद्ध से हुए नुकसान के लिए अमेरिका को मुआवजा देना देगा।

ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने तो इसके लिए कुछ शर्तें रखीं। वे हैं- अमेरिका ईरान को धमकाना बंद करे। ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकी जाए।

अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी हटाए। संघर्ष में हुए नुकसान के लिए ईरान को मुआवजा दे। प्रतिबंध हटाने के साथ ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को बहाल किया जाए।

ईरान से हो रही वार्ता के दौरान ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों की निंदा की है। ओमान ने इसके लिए किसी पर दोष नहीं मढ़ा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति वेंस ने कहा कि हमने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म कर दिया है। हमने उनकी पारंपरिक सेना को खत्म कर दिया है। हमने उनकी गैरपारंपरिक सैन्य क्षमताओं को भी काफी हद तक कम कर दिया है। अगर ईरान अब भी समझौता नहीं मानता तो उसकी मर्जी।

अमेरिकी सेना का कहना है कि होर्मुज में उसकी नाकाबंदी के कारण 53 जहाजों का रास्ता बदलना पड़ा है। अमेरिकी मध्य कमान ने कहा कि इस दौरान मानवीय सहायता ले जा रहे 30 से ज्यादा जहाजों को सुरक्षित गुजरने दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

मंगल की वैले ग्रांडे घाटी में मिली रहस्यमय हनीकाम्ब जैसी आकृतियां

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के क्यूरियोसिटी रोवर को मंगल की वैले ग्रांडे नामक विशाल घाटी में रहस्यमय हनीकाम्ब जैसी आकृतियां मिली हैं। यह आकृतियां बिल्कुल मधुमक्खी के छत्ते जैसी दिखती हैं। ये हनीकाम्ब डिजाइन हर दिशा में दूर-दूर तक फैले हुए हैं, जो पास के 20 फीट ऊंचे मिराफ्लोरेस नामक पहाड़ तक जा रहे हैं। हालांकि इस प्रकार की संरचनाएं पहले भी देखी गई हैं, लेकिन इतने विशाल पैमाने पर उनका पाया जाना यह पहला मौका है। ताजा खोज से लाल ग्रह पर प्राचीन जीवन की संभावनाओं को नई दिशा मिल सकती है। नासा के वैज्ञानिक इस खोज को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इन संरचनाओं का अध्ययन मंगल के प्राचीन रहस्यों और उसके जल इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग उजागर कर सकता है। क्यूरियोसिटी रोवर ने 19 और 20 जून को, जो उसके मिशन के क्रमशः 4930वें और 4931वें दिन थे, इन आकृतियों की 360 डिग्री तस्वीरें लीं। इन तस्वीरों में दिख रहे पालीगान लगभग 1.5 से 3 इंच चौड़े हैं और ये मिराफ्लोरेस पहाड़ के चारों ओर लिपटे हुए हैं, जिसके ऊपरी हिस्से पर रेत की मोटी परत जमा है। नासा के वैज्ञानिकों ने इन अजीबोगरीब आकृतियों के बनने के संभावित कारणों पर प्रकाश डाला है।

भारतीय मूल की महिला पर वीजा फ्राड के आरोप से विवाद, अमेरिकी वकील ने दावे को बताया गलत

वाशिंगटन। अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की बायोमेडिकल इंजीनियर साधना गुल्लापुडी को लेकर सोशल मीडिया पर वीजा फ्राड के आरोप लगाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। एक सोशल मीडिया अकाउंट ने दावा किया कि साधना 2014 से स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका में रह रही हैं और इस दौरान वीजा नियमों का उल्लंघन करते हुए काम भी कर रही हैं। हालांकि, ह्यूस्टन के एक वकील ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि साधना स्टूडेंट वीजा पर नहीं हैं और वह अमेरिकी नागरिक हैं। साधना टेक्सास के ह्यूस्टन में रहती हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया गया कि वह लंबे समय से एफ-1 स्टूडेंट वीजा का इस्तेमाल कर रही हैं और अलग-अलग शैक्षणिक कार्यक्रमों में दाखिला लेकर अमेरिका में रह रही हैं। पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि वह डांसर और कैश ट्यूटर के तौर पर काम करती हैं, जो वीजा नियमों के खिलाफ है। उनके कुचिपुड़ी डांस से जुड़ा एक वीडियो भी पोस्ट के साथ साझा किया गया। मामला वायरल होने के बाद ह्यूस्टन के वकील आरोन रिट्ज़ ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने मामले को देखा है और साधना स्टूडेंट वीजा पर नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वीजा धोखाधड़ी को गंभीरता से लिया जाता है, लेकिन बिना किसी अवैध गतिविधि के अमेरिका में रहने वाले लोगों का स्वागत किया जाता है। साधना ने भी सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनके बारे में झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है। उनका आरोप है कि उनके कंटेंट को बिना अनुमति दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा किया गया और उसके साथ गलत दावे जोड़े गए।

बांग्लादेश में गुपचुप कर दी बिजली महंगी, कम खपत वालों पर चोट नहीं

ढाका। बांग्लादेश एनर्जी रेगुलेटरी कमीशन (बीईआरसी) ने जून में गुपचुप बिजली की दर बढ़ा दी है। थोक दर 7 टका से बढ़कर 8.39 टका प्रति किलोवाट घंटा की गई है। यह 19.85 फीसद की बढ़ोतरी है। इससे औसत खुदरा दर (रिटेल टैरिफ) भी 16.68 प्रतिशत बढ़कर 9.11 टका से 10.63 टका प्रति यूनिट हो गई है। हालांकि बीईआरसी ने कम खपत वाले ग्राहकों के लिए मिल रही छूट बरकरार रखा है। 50 यूनिट से कम बिजली इस्तेमाल करने वाले परिवारों के लिए दर 4.63 टका और 75 यूनिट से कम इस्तेमाल करने वालों के लिए 5.26 टका रखी गई। औसत खुदरा दर 10.40 टका प्रति यूनिट तय की गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ा गई दरों के तहत महीने में 76 से 200 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले घरेलू ग्राहक अब शुरुआती 75 यूनिट से ज्यादा खपत के लिए 8.50 टका प्रति यूनिट का भुगतान करेंगे, जबकि पहले यह दर 7.20 टका थी। महीने में 200 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने वाले परिवार के लिए बिजली का खर्च 1,294.50 टका से बढ़कर 1,457 टका हो गया है।

जापान लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाली मिसाइल का कर रहा परीक्षण

चीन की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, सामरिक दृष्टि से भारत को मिल सकता है लाभ

टोक्यो

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात के बीच जापान ने अपनी रक्षा नीति में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। जापान अब लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सामरिक दृष्टि से इसका लाभ भारत को भी मिल सकता है, क्योंकि भारत और जापान के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जुलाई के अंतिम सप्ताह में जापान ने दो मिसाइल परीक्षण किए। पहले परीक्षण में जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने अमेरिकी नौसेना के सहयोग से प्रशांत महासागर में कोंगो श्रेणी के विध्वंसक पोत जेएस चोकाई से अमेरिकी टामहाक क्रूज मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। इसके साथ ही जापान युद्धपोत से टामहाक मिसाइल दागने वाला तीसरा विदेशी देश बन गया है। दूसरे परीक्षण में जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने एफ-2 लड़ाकू विमान से उन्नत टाइप-12 एयर-लान्च मिसाइल का परीक्षण किया। इस मिसाइल की मौजूदा मारक क्षमता 900 किलोमीटर से ज्यादा है, जबकि भविष्य में विकसित होने वाले संस्करण की रेंज करीब 1600 किलोमीटर तक हो सकती है। इन मिसाइलों को कम रडार पहचान, नेटवर्क आधारित संचालन और लंबी दूरी तक सटीक हमले की क्षमता के साथ विकसित किया जा रहा है। जापान फिलहाल अमेरिका से 400 टामहाक मिसाइलें खरीद रहा है। इन्हें अंतरिम व्यवस्था के तहत शामिल किया जाएगा, जबकि 2027 तक स्वदेशी लंबी दूरी की मिसाइलों को सेना में शामिल करने की योजना है। हालांकि जापान आधिकारिक तौर पर अपनी रक्षात्मक नीति बनाए रखने की बात कहता है, लेकिन नई सैन्य क्षमताएं यह संकेत देती हैं कि वह जरुरत पड़ने पर दुश्मन के ठिकानों पर जवाबी हमला करने की तैयारी भी कर रहा है।

पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश में मिली हुई है खुली छूट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सरकार ने बांग्लादेश में आईएसआई के प्रभाव की बात को नकार दिया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि शेख हसीना और उनके बेटे भारत के संपर्क में है, इसलिए भारत जैसे आरोप उनके देश की एजेंसी पर लगा रहे हैं। इसमें हकीकत में कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल 5 अगस्त को दिल्ली से शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कान्फ्रेंस में ढाका में आईएसआई के प्रभाव का मुद्दा उठा था, जिस पर इस्लामाबाद से यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से सवाल किया कि शेख हसीना के बेटे साजिब वाजेद ने ढाका में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के दखल का आरोप लगाया है। इस पर ताहिर ने कहा कि बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों के आपसी आरोपों से पाकिस्तान को कोई मतलब नहीं है। हम उनके अंदरुनी मामले में दखल नहीं देंगे। जहां तक शेख हसीना या उनके बेटे की बात है तो भारत से नजदीकी की वजह से वह ऐसी बात कर रहे हैं। शेख हसीना के अमेरिका में रहने वाले बेटे साजिब ने 5 अगस्त को वर्चुअल प्रेसमीट में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश में खुली छूट मिली हुई है। साजिब ने आरोप लगाया कि आईएसआई का बांग्लादेश में काफी ज्यादा प्रभाव है। हमारी सरकार में गिरफ्तार किए गए सैकड़ों मिलिटेंट रिहा हो गए हैं। यह भारत और दुनिया के लिए एक समस्या है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के फैसलों से आतंकवादियों का अगला ग्रुप बांग्लादेश से आ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना की नई दिल्ली में मीडिया से की गई बातचीत से बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार नाराज है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने बुधवार देर रात एक बयान जारी कर पूर्व पीएम हसीना को भगोड़ा करार देते हुए उनके बयानों से दोनों देशों के संबंधों को नुकसान पहुंचाने की बात कही है।

नेपाल में रसोई गैस आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद

काठमांडू

नेपाल की राजधानी काठमांडू समेत देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से रसोई गैस (एलपीजी) की कमी धीरे-धीरे कम होने लगी है। नेपाल आयल कारपोरेशन (एनओसी) ने बताया कि इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) से आयात बढ़ने और वितरण प्रक्रिया को सुचारु बनाए जाने के बाद गैस की आपूर्ति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। एनओसी ने 15 जुलाई से 14.2 किलोग्राम के पूरे सिलेंडर की बिक्री फिर शुरू की थी। इसके बाद बाजार में अचानक मांग बढ़ गई, जिससे गैस की कमी पैदा हो गई।

एनओसी के एलपी गैस विभाग के निदेशक बिनितमणि उपाध्याय के अनुसार, 7.1 किलोग्राम के आधे सिलेंडर से फिर पूर्ण सिलेंडर के वितरण की ओर लौटने के शुरुआती दिनों में आपूर्ति पर दबाव पड़ा था, लेकिन अब बिक्री और वितरण व्यवस्था स्थिर होने लगी है। उपाध्याय ने कहा, आईओसी की रिफाइनरियों से रोजाना 100 से अधिक गैस बुलेट लोड किए जा रहे हैं। अधिकतम एक सप्ताह के भीतर आपूर्ति पूरी तरह सुचारु हो जानी चाहिए।

हम उपभोक्ताओं से अनावश्यक रूप से सिलेंडर जमा नहीं करने का आग्रह करते हैं। पश्चिम एशिया में तनाव और संभावित संकट के कारण आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए एनओसी ने 10 मार्च से केवल 7.1 किलोग्राम के आधे सिलेंडर वितरित करना शुरू किया था। एलपी गैस उद्योग संघ के अध्यक्ष कृष्ण भक्त श्रेष्ठ ने बताया कि उपभोक्ताओं ने आधे सिलेंडर में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई और पूर्ण सिलेंडर की बिक्री दोबारा शुरू होने की उम्मीद में उन्हें अपने पास रखा। इससे बाद में मांग अचानक बढ़ गई।

उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्री गौरी यादव ने बताया कि आगामी बड़े त्योहारों की तैयारी को देखते हुए सरकार अगले तीन महीनों के लिए भारत से नेपाल का गैस कोटा बढ़ाने के संबंध में कूटनीतिक पहल भी कर रही है। वर्तमान में नेपाल में 58 एलपी गैस उद्योग संचालित हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 10,166 मीट्रिक टन है। गैस वितरण को सुचारु बनाने के लिए एनओसी और उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने बाजार की निगरानी तेज कर दी है।

मंत्री यादव और एनओसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बालाजू स्थित नेपाल गैस उद्योग तथा टेकू के कई वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया। एनओसी के अनुसार, निरीक्षण के दौरान कृत्रिम कमी या कालाबाजारी के कोई प्रमाण नहीं मिले।

अमेरिकी स्कूल में धातु और कांच की पानी की बोतलों पर प्रतिबंध

न्यूयार्क। अमेरिका के हार्डिन काउंटी स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र से स्कूल परिसर और स्कूल बसों में छात्रों को धातु (स्टील या एल्यूमीनियम) और कांच की पानी की बोतलें लाने की अनुमति नहीं होगी। अब केवल प्लास्टिक की पानी की बोतलें ही परिसर में ले जाई जा सकेंगी। अमेरिका के केंटकी राज्य में स्थित हार्डिन काउंटी स्कूल प्रशासन ने यह फैसला छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। यह निर्णय गत कुछ वर्षों में सामने आई कई ऐसी घटनाओं के मद्देनजर लिया गया है, जहां छात्रों ने भारी स्टील की पानी की बोतलों का इस्तेमाल दूसरे छात्रों पर हमला करने के लिए किया। इन हिंसक घटनाओं के परिणामस्वरूप बच्चों के सिर, चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। कई छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और कुछ को सिर में गंभीर चोट (कंकशन) भी झेलनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, जब स्टील की बोतल पूरी तरह पानी से भरी होती है, तो उसका वजन इतना अधिक हो जाता है कि वह किसी कठोर वस्तु की तरह गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। इन घटनाओं के मद्देनजर, स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने सुरक्षा विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की।

अस्थायी समुद्री रूट पर ईरान-ओमान के बीच बन रही सहमति, होर्मुज स्ट्रेट पर डील करीब होने की संभावना

तेहरान

ईरान ने संकेत दिया है कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही के लिए ओमान के साथ एक नए अस्थायी समुद्री ट्रांजिट रूट पर समझौता जल्द हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि दोनों देश फारस की खाड़ी से आने-जाने वाले जहाजों के लिए एक अस्थायी लेन तैयार करने पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी समझौते के होने का मतलब स्ट्रेट का तत्काल पूरी तरह खुलना नहीं होगा।

अराघची ने जून में हुए एक अब समाप्त हो चुके समझौता ज्ञापन का हवाला देते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने के लिए अन्य शर्तें भी पूरी करनी होंगी। इनमें अमेरिका की ओर से कथित समझौता उल्लंघन के लिए मुआवजे की मांग भी शामिल है। ईरान और अमेरिका के बीच हुआ संघर्षविराम एक महीने से भी कम समय तक चल पाया था और होर्मुज स्ट्रेट के नियंत्रण समेत कई मुद्दों पर मतभेदों के चलते स्थिति फिर बिगड़ गई। ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित समझौते को लेकर अमेरिका की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। ईरान का कहना है कि अमेरिका इस बातचीत का हिस्सा नहीं है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से होर्मुज में निर्बाध नौवहन बहाल करने की मांग करते रहे हैं। उन्होंने ईरान के खिलाफ नए सैन्य कदम उठाने की चेतावनी भी दी है, अगर समुद्री मार्ग को दोबारा खोलने में बाधा बनी रहती है।

ईरानी बंदरगाहों को लेकर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी भी एक अहम मुद्दा बनी हुई है। अमेरिकी पक्ष से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यदि ओमान और ईरान के बीच वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही बहाल करने को लेकर समझौते की घोषणा होती है, तो अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने पर विचार कर सकता है। इससे क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक समुद्री व्यापार पर दबाव कुछ कम होने की उम्मीद है। इसी बीच ईरान के सर्वोच्च नेता के अंतरराष्ट्रीय मामलों के वरिष्ठ सलाहकार अली अकबर विलायती ने क्षेत्र में मौजूद विदेशी सेनाओं को बाहर जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विदेशी सैन्य मौजूदगी ही क्षेत्र में असुरक्षा का प्रमुख कारण है विलायती ने क्षेत्रीय देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना है कि हालिया घटनाक्रमों ने ईरान की सैन्य क्षमता और जनता के संकल्प को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय देशों के बीच बेहतर तालमेल से सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत किया जा सकता है।

नेपाल में फिर मानसून सक्रिय, कई जगह भारी बारिश, बर्फबारी की संभावना

काठमांडू

नेपाल में एक बार फिर मानसूनी हवाएं सक्रिय बनी हुई हैं। मौसम अधिकारियों ने कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना जताते हुए संवेदनशील इलाकों के लोगों को मौसमजनित संभावित आपदाओं के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है।

देश भर में सामान्यतः बादल छाये हैं। कोशी, लुंबिनी और कर्णाली प्रदेश के कुछ स्थानों के साथ-साथ बागमती और गंडकी प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के अनुसार, देशभर में मौसम सामान्यतः बादलयुक्त रहने की संभावना है। देश के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इसी तरह लुंबिनी, सुदूरपश्चिम, मधेश, कोशी, बागमती और गंडकी प्रदेश के कुछ तराई क्षेत्रों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना है।

महाशाखा ने कोशी, बागमती और गंडकी प्रदेश के पर्वतीय तथा पहाड़ी क्षेत्रों के साथ ही कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। लुंबिनी प्रदेश के पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर भी भारी बारिश हो सकती है।

इसी तरह देशभर में मौसम सामान्यतः बादलयुक्त रहने की संभावना है। कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। कोशी, गंडकी, लुंबिनी और सुदूरपश्चिम प्रदेश के कई पहाड़ी तथा तराई क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश होने का अनुमान है।

मधेश प्रदेश के कुछ पहाड़ी और तराई क्षेत्रों, कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी इलाकों तथा बागमती प्रदेश के पहाड़ी और तराई क्षेत्रों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। महाशाखा ने चेतावनी दी है कि कोशी, गंडकी और सुदूरपश्चिम प्रदेश के पहाड़ी तथा तराई क्षेत्रों के एक-दो स्थानों के अलावा बागमती प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

ब्राउन ट्री स्नेक के डीएनए में मिले 19 हजार से ज्यादा बदलाव

गुआम। वैज्ञानिकों ने अमेरिकी क्षेत्र गुआम में ब्राउन ट्री स्नेक की बढ़ती आबादी के पीछे का रहस्य का पता लगा लिया है। इन सांपों के डीएनए का विस्तृत अध्ययन कर वैज्ञानिकों ने 19 हजार से अधिक ऐसे आनुवंशिक बदलावों की पहचान की है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन्हीं बदलावों ने इन सांपों को नए वातावरण के अनुसार खुद को ढालने और तेजी से फैलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार, करीब 80 वर्ष पहले कुछ ब्राउन ट्री स्नेक मालवाहक जहाजों के जरिए ऑस्ट्रेलिया से गुआम पहुंच गए थे। शुरुआत में इनकी संख्या बेहद कम थी, लेकिन समय के साथ इनकी आबादी इतनी बढ़ गई कि गुआम के कुछ इलाकों में एक वर्ग मील में लगभग 30 हजार तक ब्राउन ट्री स्नेक पाए जाते हैं। इन सांपों ने कई स्थानीय पक्षी प्रजातियों को लगभग समाप्त कर दिया है और हर वर्ष बिजली व्यवस्था को भी सैकड़ों बार प्रभावित करते हैं। अब तक वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह था कि इतनी कम संख्या से शुरू हुई आबादी आनुवंशिक विविधता की कमी के बावजूद इतनी तेजी से कैसे बढ़ गई। इसका जवाब खोजने के लिए यूनिवर्सिटी एट बफेलो के शोधकर्ताओं ने आधुनिक लॉन्ग-रीड जीनोम सीक्वेंसिंग तकनीक का उपयोग कर सांपों के जीनोम का गहराई से विश्लेषण किया। अध्ययन में 19 हजार से अधिक छिपे हुए आनुवंशिक बदलाव मिले, जिन्हें पहले की तकनीकें पहचान नहीं पाती थीं।